

### **To Re-Model Main Drain No.1**

**\*593. Shri Harvinder Kalyan, M.L.A.:** Will the Chief Minister be pleased to state—

- (a) whether it is a fact that the main drain No.1 constructed for the disposal of sewerage/storm water which starts from Karnal is technically defective and improper for the disposal of such water;
- (b) whether it is also a fact that frequent breaches in main drain No.1 due to overflow damages crops of farmers every year especially in Gharaunda area; and
- (c) whether there is any proposal under consideration of the Government to re-model main drain No.1 and to connect it with main drain no.2 for the smooth disposal of water; if so, the details thereof ?

**Sh. Manohar Lal, Chief Minister, Haryana**

(a), (b) & (c)      No, Sir.

**Note for Pad**  
**Starred Assembly Question No. 593**

Main Drain No. 1 from RD 39500 to tail was constructed during the year 1938 with capacity of 440 cusec. The L-Section was further revised for design discharge of 500 cusec with bed width of 48.0' in the year 1993 to drain out the storm water of adjoining villages Ranwar, Uncha Samana, Kutail & Kairwali and to drain out the treated effluent of STP of Karnal town. The Drain outfall in Indri Escape at RD 146010. Technically there is no defect in Main Drain No. 1 and the drain is working effectively since long back. No incident of any breach has been noticed in the drain in the recent years, as the drain is in cutting.

The capacity of Indri escape is 2543 cusec with bed width of 61.0 feet. Indri Escape outfall in the natural creek of Yamuna River called Chhoti Yamuna at RD 163000. With the passage of time, the local famers rehabilitated this natural creek (Chhoti Yamuna) for agriculture, thereby disturbing the natural flow, resulting in accumulation of water in the fields of adjoining villages during monsoon season.

A scheme from Point 'A' to Point 'X', as marked in the map, was executed by Public Health Engineering Department during the year 2012-13 for disposal of 40 cusecs treated effluent of STP Karnal Town from Main Drain No. 1 to present creek of river Yamuna. The scheme was executed by acquiring 33.00 feet wide strip of land from outfall point in Main Drain No. 1 upto a length of 14.7 km and further by laying pipeline from Point 'X' in the map, up to river Yamuna. During floods of June, 2013 the pump house and RCC pipes laid up to river Yamuna were damaged badly, due to which the sewerage/effluent started accumulating in the fields rendering them uncultivable. Hon'ble Chief Minister Haryana made an announcement on dated 07.10.2016 at village Kutail (Gharaunda constituency) for connecting Main Drain No. 1 (Chhoti Yamuna) to Main Drain No. 2. This connecting drain was to be constructed for disposal of 40 cusec treated effluent of STP. The work is under process. 90% work has been executed at site and likely to be completed by December, 2020.

Further, a scheme for constructing a new drain from Point 'A' to Point 'Y' with capacity of 2500 cusecs with its outfall into River Yamuna is being examined, for which about 850 acres of land will be required. The feasibility of this scheme is being examined with the condition that the local farmers agree to give land on collector rate. The tentative cost of this scheme will be about Rs. 33300.00 lakhs.

## मुख्य ड्रेन सं०-1 को पुनः बनाना

\*593. श्री हरविंद कल्याण, एम०एल०ए० : क्या मुख्यमंत्री कृपया बताएंगे कि—

- (क) क्या यह तथ्य है कि सीवरेज/बरसाती पानी की निकासी के लिए निर्मित की गई मुख्य ड्रेन संख्या 1 जो करनाल से आरंभ होती है, तकनीकी रूप से खराब है तथा ऐसे पानी की निकासी के लिए उचित नहीं है;
- (ख) क्या यह भी तथ्य है कि मुख्य ड्रेन संख्या 1 में दरारें होने से अक्सर ओवरफ्लो के कारण प्रत्येक वर्ष विशेषकर घराँडा क्षेत्र में किसानों की फसलें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं; तथा
- (ग) क्या पानी की समुचित निकासी के लिए मुख्य ड्रेन संख्या 1 को पुनः बनाने तथा इसे मुख्य ड्रेन संख्या 2 के साथ जोड़ने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है; यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है ?

श्री मनोहर लाल, मुख्यमंत्री, हरियाणा

(क), (ख) व (ग) नहीं, श्रीमान जी।

## पैड के लिए नोट

### विधान सभा तारांकित प्रश्न संख्या-593

मेन ड्रेन नं० 1 की आर०डी० 39500 से टेल तक का निर्माण वर्ष 1938 के दौरान 440 क्यूसिक क्षमता के लिए किया गया था। मेन ड्रेन नं० 1 के एल सैक्शन को वर्ष 1993 में 48.0 फुट के तल की चौड़ाई के साथ 500 क्यूसिक के डिजाईन डिस्चार्ज के लिए संशोधित किया गया था जिससे आस पास के गांवों रनवार, उंचा समाना, कुटैल व कैरवाली के बाढ़ के पानी को निकासित किया जा सके और करनाल शहर के एस टी पी के उपचारित प्रवाह को निकासित किया जा सके। यह ड्रेन इन्द्री एस्केप की आर०डी० 146010 में गिरती है। तकनीकी तौर पर मेन ड्रेन नं० 1 में कोई खराबी नहीं है और यह ड्रेन लंबे समय से प्रभावी रूप से काम कर रही है। पिछले वर्षों में इस ड्रेन में कोई भी दरारों की घटना नहीं हुई है क्योंकि यह ड्रेन कटाव में बनी है।

इन्द्री एस्केप की क्षमता 2543 क्यूसिक है जिसके तल की चौड़ाई 61.0 फुट है। इन्द्री एस्केप छोटी यमुना नामक यमुना नदी की प्राकृतिक क्रीक की आर०डी० 163000 में गिरती है। समय बीतने के साथ स्थानीय किसानों ने कृषि के लिए इस प्राकृतिक क्रीक (छोटी यमुना) का पुनर्वास किया, जिससे प्राकृतिक प्रवाह में गड़बड़ी हुई जिसके परिणामस्वरूप मानसून के दौरान आसपास के गांवों के खेतों में पानी जमा हो गया।

मानचित्र में चिह्नित बिन्दु 'ए' से बिन्दु 'एक्स' तक की एक योजना का क्रियान्वयन जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा वर्ष 2012-13 के दौरान करनाल शहर के एस टी पी के 40 क्यूसिक उपचारित प्रवाह को मेन ड्रेन नं० 1 से यमुना नदी की वर्तमान क्रीक में निकासित करने के लिए किया गया था। मेन ड्रेन नं० 1 के आउटफाल से लेकर 14.7 कि०मी० की लंबाई में 33.0 फुट चौड़ी भूमि की पट्टी के अधिग्रहण और मानचित्र में बिन्दु 'एक्स' से यमुना नदी तक पाईपलाईन बिछाकर इस योजना का क्रियान्वयन किया गया। जून 2013 की बाढ़ के दौरान पंप घर और यमुना नदी तक बिछाई हुई आर सी सी पाईपलाईन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई थी जिसके कारण खेतों में सीवरेज/अपशिष्ट जल जमा होने लगे थे जिससे वे खेत अकृष्य हो गए। माननीय मुख्यमंत्री हरियाणा ने दिनांक 07.10.2016 को कुटेल गांव (घरौंडा निर्वाचन क्षेत्र) में मेन ड्रेन नं० 1 (छोटी यमुना) को मेन ड्रेन नं० 2 से मिलाने के लिए एक घोषणा की। इस कनेक्टिंग ड्रेन का निर्माण एस टी पी के 40 क्यूसिक उपचारित प्रवाह के निपटान के लिए किया जाना था। यह कार्य प्रगति पर है। मौके पर 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है और दिसम्बर, 2020 तक पूर्ण होने की संभावना है।

इसके अलावा, बिन्दु 'ए' से बिन्दु 'वाई' तक 2500 क्यूसिक क्षमता के साथ यमुना नदी में बहने वाली नई ड्रेन के निर्माण की योजना की जांच की जा रही है, जिसके लिए लगभग 850 एकड़ भूमि की आवश्यकता होगी। इस योजना की व्यवहार्यता की जांच इस शर्त के साथ की जा रही है कि स्थानीय किसान क्लैक्टर दर पर जमीन देने के लिए सहमत हैं। इस योजना की अनुमानित लागत 33300.00 लाख रु० होगी।